मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Posted at DPSO
Delhi on 10/11.08. 2026
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA
वर्ष : 62 अंक 08 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
अगस्त 2026 बहाई वर्ष : 183

विश्व न्याय मन्दिर

व्यापक समाज में अनेक लोग, जो बहाइयों की तृणमूल गतिविधियों से परिचित होते हैं, उनकी विशिष्ट विशेषताओं से प्रभावित हो जाते हैं : यह सभी की भलाई के लिए एक सच्ची चिंता से उत्पन्न होता है, यह एकता और सेवा की ओर उन्मुख होती है, और यह स्पष्ट सिद्धांतों का पालन करती है फिर भी हर समस्या का तात्कालिक समाधान होने का दावा नहीं करतीं। साझा प्रयास की भावना में, बहाई–जन दूसरों के साथ सहयोग करने और साथ में सीखने का प्रयास करते हैं; और समाज में अधिकार और जिम्मेदारी के पदों पर आसीन लोगों के साथ अपने संबंधों में, वे गंभीर और स्पष्टवादी होते हैं।

रिज़वान 2026

पटना क्लस्टर के संस्थागत दल की विशेष बैठक सम्पन्न

पटना स्थित बहाई भवन में पटना क्लस्टर के संस्थागत दल की एक विशेष बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक का उद्देश्य क्लस्टर के वर्तमान विकास की समीक्षा करना तथा आगामी अवधि के लिए योजनाओं एवं प्राथमिकताओं का निर्धारण करना था।

बैठक में संस्थान संयोजक एवं विकास सहयोगी, उपक्षेत्रीय संस्थान संयोजक एवं विकास सहयोगी, स्थानीय आध्यात्मिक सभा, पटना के सचिव, उपक्षेत्रीय विकास समिति एवं प्रशिक्षण संस्थान समिति के सचिव, क्षेत्रीय बहाई परिषद तथा प्रशिक्षण संस्थान मंडल, बिहार के सचिव सहित सहायक मंडल सदस्य उपस्थित रहे। बैठक को विशेष मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु महाद्वीपीय सलाहकार भी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान विश्व न्याय मंदिर के 31 दिसंबर, 2025 के परिपत्र के प्रथम एवं द्वितीय अनुच्छेदों का गहन अध्ययन एवं विचार–विमर्श किया गया। प्रतिभागियों ने परिपत्र में निहित मार्गदर्शन के आलोक में पटना क्लस्टर की वर्तमान स्थिति तथा भविष्य की संभावनाओं का अवलोकन किया।

इसके पश्चात पटना क्लस्टर के भौगोलिक क्षेत्रों की विस्तृत समीक्षा की गई। बहाई विकास के दृष्टिकोण से क्लस्टर को छह इकाइयों–पाटलिपुत्र, न्यू कैपिटल, कंकड़बाग, बाँकीपुर, अजीमाबाद तथा पटना सिटी–में विभाजित करने का निर्णय लिया गया। इस विभाजन का उद्देश्य प्रत्येक क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाबद्ध प्रयासों को सुदृढ़ करना तथा विकास की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाना है।

समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि न्यू कैपिटल, कंकड़बाग तथा बाँकीपुर इकाइयों में वर्तमान समय में कोई नियमित बहाई गतिविधि संचालित नहीं हो रही है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए बैठक में यह संकल्प लिया गया कि रिज़वान 2027 तक इन तीनों इकाइयों को सक्रिय किया जाएगा तथा वहाँ बहाई समुदाय–निर्माण गतिविधियों का नियमित संचालन प्रारम्भ करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

बैठक का समापन इस विश्वास और दृढ़ संकल्प के साथ हुआ कि सहयोग, परामर्श और संगठित प्रयासों से पटना क्लस्टर के सभी क्षेत्रों में आध्यात्मिक एवं सामाजिक विकास की प्रक्रिया को और अधिक सशक्त बनाया जा सकेगा।



पटना में आयोजित क्लस्टर के संस्थागत दल की बैठक के प्रतिभागी

इस अंक में

केरल के क्लस्टरों में सलाहकार का भ्रमण

महाद्वीपीय सलाहकार ने केरल के लिए अपनी नियुक्ति के बाद केरल की अपनी पहली यात्रा की। उनकी यह यात्रा 3 से 7 जून, 2026 तक चली, जिसमें उन्होंने कई क्लस्टरों का दौरा किया और साथ ही, संस्थाओं के साथ संयुक्त बैठकें भी कीं। इस पूरी यात्रा के दौरान परिषद सचिव उनके साथ रहे, जबकि सहायक मण्डल सदस्य को, उन्होंने दोपहर में कोच्चि और शाम को वाइपिन के समुदायों से मुलाकात की और योजना की प्रगति पर प्रोत्साहन व मार्गदर्शन प्रदान किया। 6 जून को, राज्य बहाई परिषद, सहायक मण्डल सदस्यों और प्रशिक्षण संस्थान मण्डल के सदस्यों के साथ एक संयुक्त बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के दौरान, प्रतिभागियों ने नौ–वर्षीय



सलाहकार महोदया का केरल के विभिन्न क्लस्टरों का भ्रमण

अंतिम दो दिनों के दौरान उनके साथ जुड़े। इस यात्रा ने संस्थाओं और समुदायों के बीच परामर्श, प्रोत्साहन, अध्ययन, कुछ योजनाएँ बनाने और सहयोग को मजबूत करने के मूल्यवान अवसर प्रदान किए।

इस यात्रा की शुरुआत 3 जून को तिरुवनंतपुरम में राज्य बहाई परिषद कार्यालय के दौरे के साथ हुई। शाम को, उन्होंने तिरुवनंतपुरम समुदाय के सदस्यों के साथ मुलाकात की। 4 जून को, सलाहकार ने कन्नूर में मित्रों से मुलाकात की, जहाँ कोदोम–बेलूर और कालीकट के अनुयायियों ने भी इस सभा में भाग लिया। 5 जून

योजना की उपलब्धियों पर विचार किया और हाल ही में हुए संस्थागत मिलन के बाद समुदाय की गतिविधियों पर चर्चा की। 7 जून को, एलापुल्ली, कुझलमन्नम और नेमारा के मित्र थेनारी में एकत्रित हुए, जहाँ सलाहकार ने मित्रों को संबोधित किया और विकास की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने तथा समुदाय–निर्माण की गतिविधियों को मजबूत करने के बारे में अपने विचार साझा किए।

विभिन्न क्लस्टरों के अपने दौरों के दौरान, मित्रों को विश्व न्याय मंदिर के हाल ही के संदेशों के चयनित अंशों का अध्ययन करने का अवसर मिला, विशेष रूप से

शेष पृष्ठ 4 पर

सिक्किम और दार्जिलिंग में ग्रीष्मकालीन संस्थान अभियान का आयोजन

सिक्किम और दार्जिलिंग के क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान मण्डल द्वारा ग्रीष्मकालीन संस्थान अभियान 2026 बहाई स्कूल, तादोंग (सिक्किम) और बहाई केंद्र, सिंगेल, कुर्सियांग (दार्जिलिंग) में 26 जून से 5 जुलाई, 2026 तक एक साथ आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य संस्थान की शैक्षिक प्रक्रिया को मजबूत करना, सेवा के लिए मानव संसाधनों को तैयार करना और दोनों उप–क्षेत्रों में सीखने, प्रार्थना और क्रियान्वयन की भावना को बढ़ावा देना था। पूरे अभियान के दौरान माहौल एकता, भक्ति, उत्साह, अनुशासित अध्ययन और आनंदमयी संगति से ओतप्रोत रहा। अनुयायियों ने अपने–अपने क्लस्टरों में दिव्य योजना की प्रगति में योगदान देने की अपनी सच्ची इच्छा को दर्शाते हुए उल्लेखनीय समर्पण और दृढ़ता का परिचय दिया।

इस अभियान में 109 प्रतिभागी, 19 शिक्षक/सह–शिक्षक और 12 सहयोगी मित्र सहित लगभग 140 मित्र एक साथ आए। युवाओं और वयस्कों की इस महत्वपूर्ण भागीदारी ने संस्थान की प्रक्रिया को काफी मजबूती दी। यह सिक्किम और दार्जिलिंग दोनों उप–क्षेत्रों में विकसित हो रही बढ़ती क्षमता को भी दर्शाता है।

इस वर्ष के अभियान की एक अनूठी विशेषता रूही संस्थान की पुस्तक–1 से लेकर पुस्तक–7 तक के सभी पाठ्यक्रमों का एक साथ संचालन करना था, जिसमें पुस्तक–3 ग्रेड 2 भी शामिल थी। इसने श्रृंखला के विभिन्न चरणों में मौजूद अनुयायियों को सीखने और सेवा के अपने मार्ग को जारी रखने में सक्षम बनाया।

संस्थान के पाठ्यक्रमों के अध्ययन के अलावा, इस अभियान ने एक ऐसा वातावरण प्रदान किया जहाँ मित्रों ने दैनिक प्रार्थना सभाओं, अर्थपूर्ण परामर्श, शिक्षण, सामूहिक चिंतन, व्यावहारिक अभ्यासों और सेवा कार्यों के माध्यम से अपनी समझ को और गहरा किया। इन अनुभवों ने आपसी भाईचारे के बंधनों को और मजबूत किया और कई प्रतिभागियों को अपने समुदायों की सेवा के लिए नए संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

अभियान के समापन के साथ ही, मण्डल प्रतिभागियों को उनकी सीख को निरंतर कार्यों में बदलने में साथ देने के लिए प्रतिबद्ध है। अब विशेष ध्यान चल रहे संस्थान पाठ्यक्रमों को पूरा करने, बच्चों की कक्षाओं को मजबूत करने, किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रमों, प्रार्थना सभाओं और अध्ययन समूहों को सुदृढ़ करने पर दिया जाएगा। साथ ही, सिक्किम और दार्जिलिंग उप–क्षेत्रों के सभी क्लस्टरों में शैक्षिक प्रक्रिया को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सह–शिक्षकों और अनुप्रेरकों को तैयार किया जाएगा।

क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान मण्डल सलाहकार, राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, क्षेत्रीय बहाई परिषद, सहायक मण्डल सदस्यों तथा उन सभी मित्रों का आभार व्यक्त करता है, जिनके त्यागमय प्रयासों ने अभियान के सुचारू संचालन को सुनिश्चित किया।



सिक्किम और दार्जिलिंग में आयोजित संस्थान अभियान की झलकियाँ

चंडीगढ़ में विश्व एकता और विश्व शांति के लिए प्रार्थना

चंडीगढ़ के बहाई भवन में विश्व एकता और विश्व शांति के लिए प्रार्थना करने के लिए एक सर्वधर्म कार्यक्रम का आयोजन किया, जो साझा आध्यात्मिक मूल्यों पर आधारित एक सामान्य मंच पर शहर के नागरिकों को एक साथ लाया। पंजाब के एक वरिष्ठ बहाई ने सभा का संचालन किया और कहा कि संगठन चंडीगढ़ को एक "शांति शहर" के रूप में स्थापित करने की दिशा में लगातार काम करने की इच्छा रखता है, जिससे शहर भर के स्कूलों, कॉलेजों और अन्य संस्थानों में सद्भाव और आपसी सम्मान का संदेश ले जाया जा सके।

इस आयोजन में धार्मिक और आध्यात्मिक परंपराओं के विभिन्न प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एक स्वर में बोलते हुए, वक्ताओं ने ईश्वर की एकरूपता और दुनिया के विभिन्न धर्मों में चलने वाले सामान्य आध्यात्मिक सूत्र पर विचार किया, इस बात पर जोर दिया कि बाहरी मतभेदों और विश्वास तथा अभ्यास के बावजूद पूरी मानवता को एक परिवार माना जाना चाहिए। पारसी धर्म का प्रतिनिधित्व करते हुए, श्रीमती नाजनीन तिवारी ने सार्वभौमिक शांति और करुणा तथा प्रेम की आवश्यकता पर बात की। शांति के विषय पर बोलते हुए, ब्रह्मा कुमारी बहन नेहा और लामा येशे रबगे दोनों ने आंतरिक और विश्व शांति के केंद्र पर संदेश दिए। सिख दृष्टिकोण को उजागर करते हुए, श्री गुरप्रीत सिंह और कमल सिंह मल्ही ने इस बात पर जोर दिया कि केवल एक ही ईश्वर है, जिससे हमें केवल ईश्वर के लिए शुद्ध रूप से प्रेम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सिख धर्म विद्वेष का कठोरता से विरोध करता है, आपसी प्रेम को अनिवार्य बनाता है, और अनुयायियों को मानवता की सेवा करना सिखाता है, साथ ही सेवा के महत्व, समकालीन सामुदायिक गतिशीलता और तमिलनाडु में इस धर्म को अपनाने वाले व्यक्तियों को भी संबोधित किया। इस्लामिक दृष्टिकोण पर चर्चा करते हुए, प्रोफेसर मोहम्मद खालिद ने कुछ कानूनों पर ध्यान केंद्रित किया और प्रार्थना के मूलभूत महत्व पर प्रकाश डाला, यह बताते हुए कि यह किसी व्यक्ति को आध्यात्मिक रूप से विकसित होने में कैसे मदद करती है।

एक बहाई मित्र ने सार्वभौमिक भाईचारे पर एक गहन बहाई दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जिसका मुख्य केंद्र यह सिद्धांत था कि "पृथ्वी एक देश है और पूरी मानव जाति इसकी नागरिक है।" उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि दुनिया के प्रमुख धर्मों के मूल आध्यात्मिक सिद्धांत–हिंदू धर्म की वसुधैव कुटुम्बकम की भावना, विविधता को समझने पर इस्लामी शिक्षाएँ, ईसाई प्रेम, लंगर के माध्यम से सिख समानता और बौद्ध करुणा शामिल हैं–सभी निर्बाध रूप से मानवता की मूलभूत एकरूपता पर एकत्रित होते हैं।

प्रत्येक वक्ता ने मनुष्यों की गहन अंतर–निर्भरता पर बल दिया, और व्यक्तियों से समावेशी तथा दयालु सोच विकसित करने, प्रतिक्रिया देने से पहले वास्तविक समझ के साथ सुनने, और अपने कार्यों को स्वार्थ के स्थान पर दया, सहानुभूति और निस्वार्थता से निर्देशित होने देने का आग्रह किया।

इस कार्यक्रम का समापन शांतिपूर्ण सहअस्तित्व, सभी धर्मों के लोगों के बीच प्रेमपूर्ण बंधुत्व, और एकता के एक सामूहिक संदेश के लिए की गई गंभीर प्रार्थनाओं के साथ हुआ, जिसका उद्देश्य शहर की सीमाओं से परे तक गूंजना था।



चंड़ीगढ़ में आयोजित सभा की एक झलक

क्षेत्रीय और राज्य बहाई परिषदों के सचिवों की बैठक

सम्पूर्ण भारत से 20 क्षेत्रीय और राज्य बहाई परिषदों के सचिव 3 से 5 जुलाई, 2026 तक दिल्ली के बहाई उपासना मंदिर में स्थित शैक्षणिक केन्द्र में अपनी वार्षिक बैठक के लिए एकत्रित हुए। इस बैठक में सलाहकार श्रीमती निरोशिनी सालेह और श्रीमती भावना अनबरासन की उपस्थिति का सौभाग्य भी मिला।

यह बैठक सभी परिषद सचिवों के लिए सीखने की बातें साझा करने, परिषद के मुख्य लक्ष्यों और गतिविधियों पर चर्चा करने और आपस में बंधुत्वता को और गहरा करने का एक अनोखा मंच है। बैठक के दौरान जिन मुख्य विषयों पर चर्चा हुई उनमें क्लस्टर की गतिविधि, जलाशय (रिजर्वॉयर) क्लस्टर की स्थापना और वे पड़ोसी क्लस्टर की कैसे मदद करते हैं, स्थानीय आध्यात्मिक सभा को मजबूत करना, क्लस्टर विकास समिति और क्षेत्रीय शिक्षण समिति, जमीनी स्तर तक मार्गदर्शन पहुँचाना, प्रशिक्षण संस्थान, सूचना प्रौद्योगिकी, आँकड़ों की भूमिका, सामाजिक कार्य, समाज की चर्चाओं में भागीदारी और विकास प्रक्रिया में संपत्तियों की भूमिका आदि विषय शामिल थे।

राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा की सचिव ने पूरे भारत में क्लस्टर की गतिविधियों का ब्यौरा साझा किया।

बैठक में जलाशय क्लस्टर में प्रक्रियाओं और सीखने की बातों पर ध्यान देने के महत्व पर जोर दिया गया। संरचनाओं और योजनाओं के बारे में बात करने के साथ–साथ, हमें प्रार्थना और सद्गुणों के विकास पर भी चर्चा करनी चाहिए। समुदाय के आध्यात्मिक स्वास्थ्य पर चर्चा के दौरान, यह बात सामने आई कि प्रभुधर्म के कुछ विधानों – जैसे कि विवाह, अनिवार्य प्रार्थना और उपवास, और अंत्येष्टि से जुड़े विषयों को गृहभ्रमण और पारिवारिक समूहों की बैठकों में बातचीत का हिस्सा बनाने की आवश्यकता है।

सलाहकार श्रीमती भावना अनबरासन ने नौ–वर्षीय योजना के बचे हुए पाँच सालों में 2000 समूहों को तीसरे मील के पत्थर से पार ले जाने के लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने परिषदों से जलाशय क्लस्टरों को विकसित करने के अपने अनुभवों को साझा करने का आग्रह किया, ताकि वे अपने पड़ोसी समूहों को आगे बढ़ने में मदद कर सकें।

सलाहकार श्रीमती निरोशिनी सालेह ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पायनियर्स के महत्व पर बात की और परिषदों को याद दिलाया कि नौ–वर्षीय योजना के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत को



सचिवों की बैठक में भाग लेने वाले मित्रगण

नौ वर्षीय योजना के तहत भारत का लक्ष्य देश में दूसरे मील के पत्थर वाले क्लस्टर की कुल संख्या को मार्च 2022 के मौजूदा 794 से बढ़ाकर रिजवान 2031 तक 3,303 करना है। मार्च 2026 तक, भारत में 564 क्लस्टर तीसरे मील के पत्थर पर, 757 क्लस्टर दूसरे मील के पत्थर पर और 218 क्लस्टर पहले मील के पत्थर पर हैं। यह भी बताया गया कि रिज़वान 2026 में चुनी गईं स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं की संख्या 1,315 थी।

चार और अंतर्राष्ट्रीय पायनियर्स भेजने की आवश्यकता है। उन्होंने भारत में प्रवासन के पैटर्न पर भी चर्चा की–जिसमें ग्रामीण लोग काम की तलाश में शहरी क्षेत्रों की ओर पलायन कर रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप शहरी क्षेत्रों में प्रवासी आबादी के कई हिस्से बन गए हैं। इनमें से कई आबादियाँ धर्म के प्रति बहुत संवेदनशील हैं। परिषदें इन आबादियों तक पहुँचने के लिए केंद्रित प्रयास करने पर विचार कर सकती हैं।

मध्य प्रदेश में बाब के शहादत दिवस पर कार्यक्रम

भोपाल समुदाय द्वारा बहाई भवन इन्द्रपुरी में इस नवयुग के द्वार बाब के शहादत दिवस को प्रार्थनाओं के साथ आयोजित किया गया, जिसमें प्रार्थना उद्धरण के साथ ही शहादत के क्षणों को प्रस्तुत किया गया और दिव्यात्मा बाब की समाधि में पढ़ी जाने वाली तीर्थयात्रा की पाती का पाठ किया गया।

सेवा के इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दिया। इस अवसर पर आमंत्रित वक्ताओं ने कहा कि रक्तदान महादान है, जो किसी भी जरूरतमंद को नया जीवन देने का माध्यम बनता है तथा समाज में परस्पर सहयोग और मानवीय संवेदनाओं को सुदृढ़ करता है। शिविर के दौरान रक्तदाताओं का



मध्य प्रदेश में बाब के शहादत दिवस पर आयोजित कार्यक्रम

इन्दौर के बहाई भवन में बहाई समुदाय द्वारा बाब के शहादत दिवस पर बाब के सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में मानव सेवा एवं सामाजिक एकता के उद्देश्य से एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। आयोजन रोटरी क्लब एवं इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से हुआ। पच्चीस से अधिक लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव जीवन की रक्षा और सम्मान भी किया गया। उनके इस निस्वार्थ योगदान की सराहना भी की गई।

उज्जैन में भी बाब के शहादत दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर प्रार्थनाएँ की गईं।

उज्जैन समुदाय के ग्राम हरसोदन में भी अग्रदूत बाब के शहादत दिवस पर वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित कर प्रार्थनाएँ की गईं।

बहाई विवाह



श्री सौरभ सिंह और सुश्री सुमिता सरकार का विवाह 11 जुलाई, 2026 को न्यू अलीपुर, कोलकाता बहाई भवन में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2024-25-26
Delhi P.S.O.

केरल के क्लस्टरों में सलाहकार का भ्रमण

पृष्ठ 1 का शेष

उन अंशों का जो क्लस्टरों के अभिगमन को आगे बढ़ाने और विकास की प्रक्रिया को तेज करने की तात्कालिकता पर प्रकाश डालते हैं। मित्रों ने अपने–अपने क्लस्टरों की वर्तमान वास्तविकताओं को भी साझा किया, जिसमें चल रही गतिविधियाँ, उपलब्धियाँ, चुनौतियाँ और उभरते अवसर शामिल थे, जिससे प्रत्येक क्षेत्र की शक्तियों और आवश्यकताओं की स्पष्ट समझ मिली। इन परामर्शों के आधार पर, सलाहकार ने नौ–वर्षीय योजना के उद्देश्यों पर साझा ध्यान बनाए रखते हुए, प्रत्येक क्लस्टर की विशिष्ट स्थितियों के अनुकूल मार्गदर्शन दिया और दृष्टिकोण व कार्यप्रणालियों के सुझाव दिए। इस यात्रा ने कई समन्वयकों और मुख्य टीमों के सदस्यों की पहचान करने और उन्हें प्रोत्साहित करने का अवसर भी प्रदान किया जो इस कार्य को आगे बढ़ाने में योगदान दे सकते हैं। कुल मिलाकर, यह यात्रा मित्रों के लिए प्रोत्साहन और प्रेरणा का स्रोत रही, जिससे उन्हें योजना की आवश्यकताओं पर अपना ध्यान केंद्रित करने में मदद मिली और अधिक स्पष्टता व समर्पण के साथ इसके लक्ष्यों में योगदान देने का उनका संकल्प मजबूत हुआ।

संस्थाओं की संयुक्त बैठक अत्यधिक उत्पादक साबित हुई, जिसने समुदाय की वर्तमान आवश्यकताओं पर परामर्श करने का अवसर प्रदान किया और संस्थाओं को योजनाएँ बनाने तथा आवश्यक निर्णय लेने में सक्षम बनाया। बैठक के दौरान कई नियुक्तियाँ की गई, जिनमें समन्वयक, क्लस्टर विकास समिति के सदस्य और कोर टीम के सदस्य शामिल थे। मित्रों का साथ देने और शैक्षिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपनी क्षमता को मजबूत करने के लिए प्रशिक्षण संस्थान मण्डल का भी पुनर्गठन किया गया।

योजना प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, अधिक सहयोग, सीखने और आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कन्नूर, एलापुल्ली, कोच्चि और तिरुवनंतपुरम के लिए क्लस्टरों के समूह स्थापित किए गए। इसके अतिरिक्त, नौ–वर्षीय योजना के लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में मित्रों और संस्थाओं के प्रयासों को मजबूत करने के उद्देश्य से आगामी बैठकों, अभिविन्यास और अन्य सभाओं के लिए योजनाएँ बनाई गईं।

सलाहकार महोदया की इस यात्रा ने पूरे समुदाय में प्रेरणा, उद्देश्य और गति की एक नई भावना पैदा की। उनके मार्गदर्शन, परामर्श और विश्व न्याय मंदिर के संदेशों के अध्ययन के माध्यम से, मित्रों को योजना के वर्तमान चरण और आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कदमों के बारे में अधिक स्पष्टता प्राप्त हुई। इस यात्रा ने दृष्टिकोण की एकता को मजबूत करने में मदद की और मित्रों व संस्थाओं को नौ–वर्षीय योजना के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में केंद्रित और व्यवस्थित तरीके से अपने प्रयासों को लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

निवेदन

प्रिय मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें। ***धन्यवाद!***

बंथरा में किसानों के लिए बैठक का आयोजन

उत्तर प्रदेश में बहाई भवन कुरौनी, बंथरा में किसान बैठक का सफलतापूर्वक आयोजन 5 जुलाई 2026 को किया गया, जिसमें कुल 40 किसान भाइयों एवं बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।



बैठक के दौरान सभी किसान चर्चा करते हुए

कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थनाओं से हुई। सभी मित्रों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया, जिससे वातावरण आध्यात्मिक आनंदमय एवं उत्साहपूर्ण बन गया।

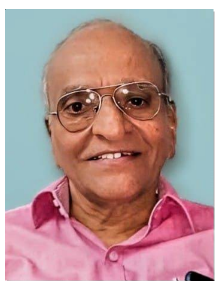
इसके पश्चात परामर्श सत्र आयोजित किया गया, जिसमें एक बहाई किसान के सहयोग के साथ जैविक खेती को कैसे बढ़ावा दिया जाए इस विषय पर विस्तृत चर्चा शुरू हुई। किसानों ने रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने, गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट, जीवामृत तथा अन्य प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग के लाभों पर अपने विचार साझा किए। साथ ही यह भी चर्चा हुई कि जैविक खेती से मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरण संरक्षण तथा मानव स्वास्थ्य को दीर्घकालिक लाभ प्राप्त होते हैं।

बैठक के दौरान बहाई लेखों का अध्ययन भी किया गया, जिसमें सेवा, सहयोग, एकता तथा प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व जैसे मूल्यों पर विचार–विमर्श किया गया। सभी प्रतिभागियों ने चर्चा में सक्रिय सहभागिता की और अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रार्थना के साथ हुआ। यह किसान बैठक सभी प्रतिभागियों के लिए प्रेरणादायक, ज्ञानवर्धक एवं आनंददायक रही।

● निधन

श्री रमाकांत महादेव मालवाड

हमें यह बताते हुए अत्यंत दुःख हो रहा है कि महाराष्ट्र के रत्नागिरी के निवासी श्री रमाकांत महादेव मालवाडे का हाल ही में निधन हो गया। वे 83 वर्ष के थे। श्री मालवाडे को उनकी उस दृढ़ता और समर्पण के लिए याद किया जाएगा, जिसने चार दशकों से अधिक समय तक उनके बहाई जीवन को समृद्ध किया। निधन से कुछ दिन पूर्व ही श्री मालवाडे ने दिल्ली स्थित उपासना मंदिर में सेवा करने की अपनी इच्छा जताई थी, दुख की बात है कि यह इच्छा पूरी नहीं हो सकी। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।



कुल पृष्ठ संख्या–4
बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2024-25-26
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post
Posted at DPSO
Delhi on 10/11.08.2026
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

सुशील कुमार द्वारा संपादित, प्रकाशित और मुद्रित समाचारपत्र का स्वामित्व राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110001,
मुद्रण : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 (सुशील कुमार : सम्पादक एवं प्रकाशक)